ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष-18 अंक- 16 नवम्बर -II (पाक्षिक) माउण्ट आबू Rs. 10.00

'दीपावली' मन मंदिर को रोशन करने वाला पर्व - दादी

दीपावली के शुभ अवसर पर रोशनी से सराबोर होता हार्मनी हॉल व समस्त ज्ञानसरोवर प्रांगण। इस अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम के दौरान मंचासीन हैं संस्थान की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी।

ज्ञानसरोवर। दीपोत्सव के अवसर पर आध्यात्मिकता के प्रकाश से प्रकाशित ज्ञानसरोवर की आभा तब और अधिक निखर गई जब उसे जगमगाते दीपों व लाइट की झालरों से सजाया गया।

ब्रह्माकुमारी संस्था की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी ने हार्मनी हॉल में उपस्थित देश-विदेश से दिवाली पर्व मनाने आए श्वेत वस्त्रधारी दो हज़ार से अधिक जिज्ञासुओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि मिट्टी के दीये जलाने से तो बाह्य अंधकार दूर होता है, लेकिन आत्मा का दीप जलाने से आंतरिक कालिमा दूर हो जाती है। दीपावली मन की मलिनता को मिटाकर मन को सुमन बनाने का पर्व है। आत्म-दीप जलाने से आत्मा दु:ख-दरिद्रता से मुक्त हो जाती है। आध्यात्मिक ज्ञान द्वारा मन रूपी मंदिर में उजाला किया जा सकता है। अब विश्व से अज्ञान अंधकार दूर होता जा रहा है और नई स्वर्णिम सतयुगी दुनिया का आगमन हो रहा है।

दादी कॉटेज से दादियों, मुख्य भाइयों व बहनों का स्वागत फरिश्तों की ड्रेस पहने बहनों ने किया। कलश लिए बहनें तथा कतारबद्ध मोमबत्तियां लिए हुए भाई-बहनें अपनी खुशी व उल्लास प्रकट कर रहे थे।

दादी जानकी के साथ केक काटते हुए ब्र.कु. मुन्नी, ब्र.कु. निर्वैर, ब्र.कु. डॉ. निर्मला, ब्र.कु. रजनी,जापान, ब्र.कु. हंसा तथा दादी रतनमोहिनी।

ब्रह्माकुमारी संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि दिवाली हमें यही संदेश देती है कि हम सभी जगमगाते हुए आत्मदीप बनकर एक माला में पिरो जाएं। संस्था के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि आत्म-स्मृति द्वारा आत्म-ज्योति जगाने से सुख-शांति-समृद्धि स्वत: ही आती है। ज्ञानसरोवर परिसर की निदेशिका ब्र.कु. डॉ. निर्मला दीदी ने कहा कि आध्यात्मिक ज्ञान रूपी घृत से आत्मा का दीप सदा जगा रहता है।

इस अवसर पर ज्ञानसरोवर परिसर में आये देश विदेश के जिज्ञासुओं, दादियों एवं वरिष्ठ भाई बहनों का राजयोगी ब्र.कु. सूर्य ने हृदय से स्वागत किया। मधुर वाणी ग्रुप तथा विदेश के कलाकारों ने प्रेरणादायी सांस्कृतिक कार्यक्रम द्वारा उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। ब्र.कु. मुन्नी, जर्मनी से ब्र.कु.सुदेश, मलेशिया से ब्र.कु. मीरा, रशिया से ब्र.कु. चक्रधारी, ब्र.कु.शीलू, ब्र.कु. भूपाल भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। ये दिवाली आध्यात्मिक रूप से मनाई गई, जहाँ किसी प्रकार की आतिशबाजी नहीं की गई।

आबू में 'मेरा भारत स्वर्णिम भारत अभियान' का भव्य स्वागत

- **अहमदाबाद से आबू पहुँचा 'मेरा भारत स्वर्णिम भारत अभियान'**
- **सफाई के लिए लोगों में जागरुकता लाने के उद्देश्य से तीन साल तक चलेगा अभियान।**
- **क्षेत्र के स्कूल, कॉलेज, समाज, क्लबों में तथा सरकारी संस्थानों में किए कार्यक्रम।**

आबू। ब्रह्माकुमारी संस्था के युवा प्रभाग की ओर से महिला सशक्तिकरण, स्वच्छता और बालिका शिक्षा का संदेश देने के लिए अहमदाबाद से तेरह अगस्त को शुरू हुआ बस अभियान आबू पहुँचा।

इस अवसर पर युवा प्रभाग की राष्ट्रीय अध्यक्षा राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि वर्तमान समय भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सपना है कि हमारा भारत देश स्वच्छता के क्षेत्र में पूरी दुनिया में नाम रोशन करे। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए इस अभियान का शुभारंभ किया गया है।

ब्रह्माकुमारीज़ के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर ने इस संकल्प को दोहराया कि भारत में जब युवा जग जायेगा तभी भारत स्वर्ग बन जाएगा।

युवा प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. चन्द्रिका ने कहा कि आज युवाओं में तेज़ी से नशे की लत बढ़ती जा रही है। ऐसे में ज़रूरत है कि उन्हें इसके प्रति आगाह करें। यदि समय रहते हमने ऐसा नहीं किया तो आने वाली पीढ़ी हमें माफ नहीं करेगी। उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि हमें अपने दायित्वों को पूरा करते हुए इसमें सहभागी बनना होगा।

आबू के नगरपालिका अध्यक्ष सुरेश थिंगर ने कहा कि श्रेष्ठ चरित्रवान युवा ही देश की संपत्ति है, जिस देश का युवा अपनी शक्ति व प्रतिभा का उपयोग सकारात्मक दिशा व नवनिर्माण

में करता है, वही देश प्रगति के शिखर को छूता है। उन्होंने इस कार्य के प्रति विश्वास जताते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारी संगठन की ओर से निरंतर की जा रही सामाजिक सेवाएं युवाओं को अवश्य बेहतर कार्य के लिए प्रेरित करेंगी। भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष ईश्वर चंद डागा ने कहा कि नशीले पेय व खाद्य पदार्थों के सेवन से पारिवारिक व सामजिक रिश्तों में दूरियाँ बढ़ने के साथ कलुषित भावनाओं को बल मिल रहा है। इसके लिए ब्रह्माकुमारी संगठन का युवाओं को व्यसनों से मुक्त कराने व उनकी चेतना को जागृत करने का यह अभियान सराहनीय एवं प्रशंसनीय है।

वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. शीलू ने कहा कि श्रेष्ठ चरित्र ही युवा शक्ति की पहचान है। अपने श्रेष्ठ कर्मों से युवा हर दिल पर शासन कर सकता है।

यात्रा प्रबंधक मुकेश कुमार ने देश भर में तीन वर्ष तक चलने वाली इस यात्रा के उद्देश्य व कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि गत तेरह अगस्त को साबरमती से रवाना हुई यह यात्रा दस लाख से अधिक किलोमीटर की दूरी तय करते हुए देश के हज़ारों गांवों, सैकडों शहरों, दर्जनों महानगरों के युवाओं को अपने कर्त्तव्यों के प्रति जागरुक करेगी। इस मौके पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष सौरभ गांगडिया, ग्लोबल अस्पताल के मधुमेह विशेषज्ञ डॉ. श्रीमंत साहू, युवा प्रभाग अधिशासी सदस्य जितेंद्र जावाले, पार्षद हेमराज माली, जगदीश चंद्र डाड, भगवानाराम, दानसिंह परमार, जूझाराम, देवीलाल बामणिया, कस्तूरी कंवर व इंद्रा कंवर, ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी संस्थान के युवा भाई बहनों के अंदर उमंग उत्साह तथा सक्रियता देखने को मिली।